

χαίρετε. αἱ δὲ προσελθοῦσαι ἐκράτησαν αὐτοῦ τοὺς πόδας καὶ προσεκύνησαν αὐτῷ. **10** τότε λέγει αὐταῖς ὁ Ἰησοῦς· μὴ φοβεῖσθε· ὑπάγετε ἀπαγγείλατε τοῖς ἀδελφοῖς μου ἵνα ἀπέλθωσιν εἰς τὴν Γαλιλαίαν, κακεῖ με ὄψονται.

26,49!

2,11! |

5! · 12,49s; 25,40

7!

**11** Πορευομένων δὲ αὐτῶν ἰδοὺ τινες τῆς κουστωδίας ἐλθόντες εἰς τὴν πόλιν ἠπήγγειλαν τοῖς ἀρχιερεῦσιν ἅπαντα τὰ γενόμενα. **12** καὶ συναχθέντες μετὰ τῶν πρεσβυτέρων συμβούλιόν τε λαβόντες ἀργύρια ἱκανὰ ἔδωκαν τοῖς στρατιώταις **13** λέγοντες· εἶπατε ὅτι οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ νυκτὸς ἐλθόντες ἔκλεψαν αὐτὸν ἡμῶν κοιμωμένων. **14** καὶ ἐὰν ἀκουσθῇ τοῦτο ἐπὶ τοῦ ἡγεμόνος, ἡμεῖς πείσομεν ὁ[αὐτὸν] καὶ ὑμᾶς ἀμερίμνους ποιήσομεν. **15** οἱ δὲ λαβόντες ὁτὰ ἀργύρια ἐποίησαν ὥς ἐδιδάχθησαν. καὶ διεφημίσθη ὁ λόγος οὗτος παρὰ Ἰουδαίοις μέχρι τῆς σήμερον ὁ[ἡμέρας].

27,62-66

| 27,64

21,6!

27,8

**16** Οἱ δὲ ἑνδεκα μαθηταὶ ἐπορεύθησαν εἰς τὴν Γαλιλαίαν εἰς τὸ ὄρος οὗ ἐτάξατο αὐτοῖς ὁ Ἰησοῦς, **17** καὶ ἰδόντες αὐτὸν προσεκύνησαν<sup>†</sup>, οἱ δὲ ἐδίστασαν. **18** καὶ προσελθὼν ὁ Ἰησοῦς ἐλάλησεν αὐτοῖς λέγων· ἐδόθη μοι πᾶσα ἐξουσία ἐν οὐρανῷ καὶ ἐπὶ ὁ[τῆς] γῆς. <sup>†</sup> **19** πορευθέντες οὖν μαθητεύσατε πάντα τὰ ἔθνη, βαπτίζοντες αὐτοὺς εἰς τὸ ὄνομα τοῦ πατρὸς καὶ τοῦ υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου πνεύματος, **20** διδάσκοντες αὐτοὺς τηρεῖν πάντα ὅσα ἐνετειλάμην ὑμῖν· καὶ ἰδοὺ ἐγὼ ἔμεθ' ὑμῶν εἰμι<sup>2</sup> πάσας τὰς ἡμέρας ἕως τῆς συντελείας τοῦ αἰῶνος. <sup>†</sup>

10,1! Mc 16,14 L 24,9! · 7!

5,1!

2,11! · 14,31

11,27!p Dn 7,14

E 1,20-22

7,29!

21,43 Mc 16,15

L 24,47 · 13,52! · 10,5!;

24,14! · Act 2,38!

| c. 5-7; 18,1-35

Dt 12,14 Ⓞ 2Chr 33,8

Ⓞ · 1,23!; 18,20 Hgg

1,13 Ⓞ · 13,39!

**10** ἀδελφοῖς **Ⓝ**\* | μαθηταῖς μου / 2211 | ὀψεσθε D e h • **11** ἠνηγγειλαν **Ⓝ** D Θ 565 • **14** ὑπο B D 0148. 892 | ° **Ⓝ** B Θ 33. / 844. / 2211 e | txt A C D K L W Γ Δ 0148. 0234 f<sup>1.13</sup> 565. 579. 700. 892. 1241. 1424 **℣** lat sy • **15** ° **Ⓝ**\* B\* W 0234 | txt **Ⓝ**<sup>2</sup> A B<sup>2</sup> D K L Γ Δ Θ 0148 f<sup>1.13</sup> 33. 565. 579. 700. 892. 1241. 1424. / 844. / 2211 **℣** | ἑφημίσθη **Ⓝ** Δ 33; Or | °1 **Ⓝ** A K W Γ Δ 0148<sup>vid</sup> f<sup>1.13</sup> 33. 565. 579. 700. 892. 1241. 1424. / 844. / 2211 **℣** e ff<sup>2</sup> | txt B D L Θ lat • **17** <sup>†</sup> αὐτω A K W Δ Θ 0148 f<sup>1.13</sup> 565. 579. 700<sup>c</sup>. 892. 1424 **℣** | αὐτον Γ 700\*. 1241 | txt **Ⓝ** B D 33. / 844. / 2211 lat • **18** οὐρανοῖς D | ° **Ⓝ** A K W Γ Δ Θ 0148<sup>vid</sup> f<sup>1.13</sup> 33. 565. 579. 700. 892. 1241. 1424. / 844. / 2211 **℣** | txt B D | <sup>†</sup> (J 20,21) καθως απεστειλεν με ο πατηρ καγω αποσπελω υμας Θ sy<sup>p</sup> • **19** νυν D it | – **Ⓝ** A K Γ 0148<sup>vid</sup> f<sup>13</sup> 579. 700. 1424 **℣** bo<sup>pl</sup>; Ir<sup>lat</sup> | txt B W Δ Θ f<sup>1</sup> 33. 565. 892. 1241. / 844. / 2211 lat sy sa mae bo<sup>pl</sup> | βαπτισαντες B D • **20** <sup>ς</sup> **Ⓝ** D | <sup>†</sup> αμην A<sup>c</sup> K Γ Δ Θ f<sup>13</sup> 565. 579. 700. 892. 1241. 1424 **℣** it vg<sup>mss</sup> sy bo<sup>pl</sup> | txt **Ⓝ** A\* B D W f<sup>1</sup> 33. / 844. / 2211 lat sa mae bo<sup>pl</sup>